पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने मेधावी छात्र गौतम रघुवंशी वाल्मीकि एवं समाज सेवी श्री भग्गू लाल वाल्मीकि को सम्मानित किया

लखनऊः 10 जून, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल परीक्षा 2019 में 97.7 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले कानपुर के छात्र श्री गौतम रघुवंशी वाल्मीकि एवं समाज सेवी श्री भग्गू लाल वाल्मीकि को आज राजभवन में 'डॉ0 आंबेडकर रत्न' सम्मान देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन बाबा साहेब डॉ0 भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट द्वारा किया गया था। इस अवसर पर डॉ0 आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री लालजी प्रसाद निर्मल, ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारीगण, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री हेमन्त राव सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने शिक्षा का महत्व बताते हुये कहा कि शिक्षा से ही मनुष्य का विकास होता है। राज्यपाल ने बताया कि बचपन में आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने अखबार बेचकर विद्यालय शुल्क की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि विद्या अर्जित कर स्वयं के रास्ते बनाओ तथा सहारा लेने वाला न बनकर सहारा देने वाला बनो। चरैवेति! चरैवेति!! को जीवन का आदर्श बनाकर जीवन में सफलता अर्जित करो। मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए, किताबी कीड़ा नहीं बनना चाहिए। पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद एवं व्यायाम भी जरूर करना चाहिए। उन्होंने अपने बचपन में कक्षा 1 से 11 तक प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने की भी जानकारी दी।

मेधावी छात्र गौतम रघुवंशी वाल्मीकि कानपुर का रहने वाला है तथा उसने कक्षा 1 से कक्षा 10 तक सदैव प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छात्र गौतम भविष्य में आई0आई0टी0 से पढ़ाई कर प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र में जाने का इच्छुक है।

श्री भग्गू लाल वाल्मीकि सामाजिक कार्यकर्ता है जिन्होंने बुन्दलेखण्ड क्षेत्र में हाथ से मैला उठाने की कुप्रथा की समाप्ति के लिये महत्वपूर्ण प्रयास किये हैं। हाथ से मैला उठाने की कुप्रथा को समाप्त करने के लिये राज्य सरकार द्वारा गठित राज्य स्वच्छकार निगरानी समिति में श्री भग्गू लाल वाल्मीकि को सदस्य नामित किया गया है तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा मैनुअल स्केवेंजरों के राष्ट्रीय सर्वेक्षण हेतु जालौन जनपद का को-आर्डीनेटर नामित किया गया है।
राज्यपाल ने श्री भग्गू लाल वाल्मीकि एवं छात्र गौतम रघुवंशी वाल्मीकि को अपनी पुस्तक 'चरैवेति!चरैवेति!!' की प्रति भी दी।
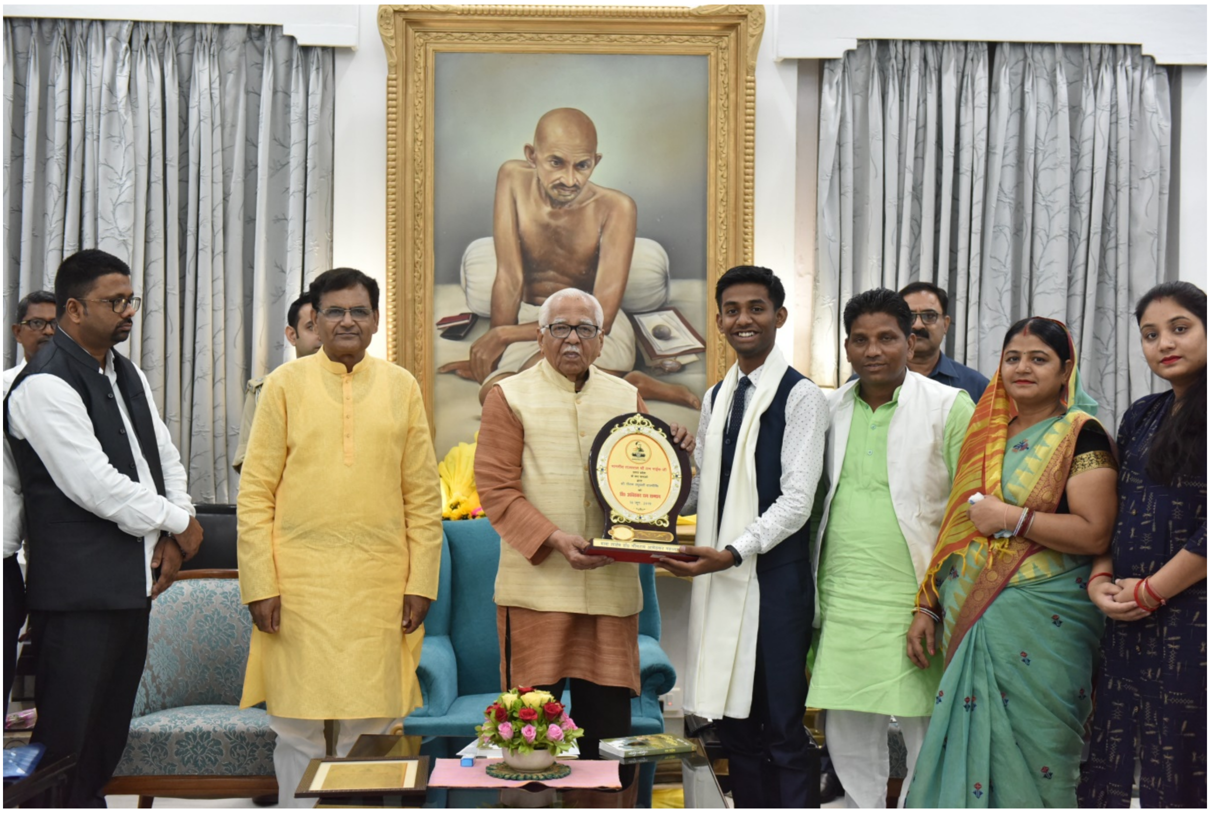
अंजुम/ललित/राजभवन (198/14)